

श्री सत्य साई विद्या विहार, गेल, विजयपुर

पेरेंटिंग चैलेंज – 1 : समस्याएँ और समाधान

जेनरेशन अल्फा :समझ और सही परवरिश

(कक्षा IV से VII के विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों के लिए)

प्रिय अभिभावक,

आज के तेजी से बदलते डिजिटल दौर में जेनरेशन अल्फा (वर्ष 2010 से 2024 के बीच जन्मे बच्चे) तकनीक और इंटरनेट के बीच बड़े हो रहे हैं। ये बच्चे स्वभाव से जिज्ञासु, रचनात्मक, नई तकनीक को जल्दी सीखने वाले और समझदार होते हैं। लेकिन इसके साथ-साथ वे कई नई चुनौतियों का भी सामना कर रहे हैं, जैसे मोबाइल और स्क्रीन का अधिक उपयोग, पढ़ाई में ध्यान कम लगना, गेम खेलने की लत, छोटी-छोटी बातों पर भावुक हो जाना तथा अपने रिश्तों और भावनाओं को सही ढंग से संभालने में कठिनाई। आजकल एक और बड़ी समस्या यह भी देखने को मिल रही है कि बच्चे माता-पिता की बात आसानी से नहीं मानते, समझाने या रोकने पर वे बहस करने लगते हैं, गुस्सा दिखाते हैं, ज़िद करते हैं या नखरे करने लगते हैं। ऐसे बदलते व्यवहार के कारण बच्चों की परवरिश पहले की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। इसलिए माता-पिता के लिए बच्चों की सोच और व्यवहार को समझना तथा सही तरीके से उनका मार्गदर्शन करना बहुत आवश्यक है।

इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए विद्यालय द्वारा प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता श्रीमती सलोनी प्रिया (कोलकाता) के सहयोग से विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिए एक विशेष कार्यशाला आयोजित की जा रही है। उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में लगभग 18 वर्षों का अनुभव है। वे विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों का मार्गदर्शन करने, बच्चों के मानसिक एवं व्यक्तित्व विकास तथा प्रशिक्षण के क्षेत्र में लंबे समय से कार्य कर रही हैं।

यह कार्यशाला रविवार, 19 जुलाई 2026 को आयोजित की जाएगी। विद्यार्थियों (बालक एवं बालिकाओं के लिए अलग-अलग) तथा अभिभावकों के लिए अलग-अलग सत्र होंगे। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर सहयोग स्थापित करना तथा बच्चों को आत्मविश्वासी, भावनात्मक रूप से मजबूत और जिम्मेदार बनाना है।

विद्यार्थियों के लिए

विषय: कम उम्र में किशोरावस्था की शुरुआत (Early Puberty) – इसे कैसे समझें और संभालें

बालिकाएँ (कक्षा IV से VII): प्रातः 9:00 बजे से 10:30 बजे तक

बालक (कक्षा IV से VII): प्रातः 11:00 बजे से 12:30 बजे तक

अभिभावकों के लिए

विषय: किशोरावस्था, मोबाइल और गेमिंग की लत, पढ़ाई में ध्यान की कमी तथा बच्चों के ज़िद्दी व्यवहार को कैसे समझें और संभालें?

समय: दोपहर 1:30 बजे से 4:00 बजे तक

इस उपयोगी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आप सभी से अनुरोध है कि अपनी उपस्थिति एवं सहयोग अवश्य दें।

प्रधानाचार्य